2021-22

शास्त्री परीक्षा

खण्ड- प्रथम, अधिसत्र- द्वितीय

विषय- पालि, पत्र- सप्तम

समय: ३½ घण्टे **सम्पूर्णाङ्क- ७०**

निर्देश: एक पंक्ति में १० शब्द तथा प्रत्येक पृष्ठ ८ पंक्तियों में लेखन अपेक्षित है।

वर्ग- क

१. *महापरिनिब्बान सुत्त* की विषयवस्तु को अपने शब्दों में लिखें। १५

अथवा

"*इमाहं, भन्ते, आरामं बुद्धप्पमुखस्स भिक्खुसङ्घस्स दम्मी"ति*—प्रस्तुत कथन की सप्रसंग व्याख्या करें।

२. *राजापरिहानिय धम्मा* से आप क्या समझते हैं ? इसका उपदेश भगवान ने किसको दिया? १५

अथवा

महापरिनिब्बान सुत्त में आगत *महाकस्सपथेरवत्थु* का सारांश लिखें।

वर्ग- ख

३. **निम्नलिखित परिच्छेदों में से किन्ही एक का अनुवाद कीजिए :** **१०**

धानन्द, अरियसावको बुद्धे अवेच्चप्पसादेन समन्नागतो होति — 'इतिपि सो भगवा अरहं सम्मासम्बुद्धो विज्जाचरणसम्पन्नो सुगतो लोकविदू अनुत्तरो पुरिसदम्मसारथि सत्था देवमनुस्सानं बुद्धो भगवा'ति.
धम्मे अवेच्चप्पसादेन समन्नागतो होति 'स्वाक्खातो भगवता धम्मो सन्दिट्ठिको अकालिको एहिपस्सिको ओपनेय्यिको पच्चत्तं वेदितब्बो विञ्ञूही'ति.
सङ्घे अवेच्चप्पसादेन समन्नागतो होति — 'सुप्पटिपन्नो भगवतो सावकसङ्घो, उजुप्पटिपन्नो भगवतो सावकसङ्घो, ञायप्पटिपन्नो भगवतो सावकसङ्घो, सामीचिप्पटिपन्नो भगवतो सावकस

ङ्घो यदिदं चत्तारि पुरिसयुगानि अट्ठ पुरिसपुग्गला, एस भगवतो सावकसङ्घो आहुनेय्यो पाहुनेय्यो दक्खिणेय्यो अञ्जलिकरणीयो अनुत्तरं पुञ्ञक्खेत्तं लोकस्सा'ति.

अथवा

अथ खो आयस्मा आनन्दो भगवन्तं एतदवोच — "अच्छरियं, भन्ते, अब्भुतं, भन्ते, एवं पसन्नो अहं, भन्ते, इमस्मिं भिक्खुसङ्घे, 'नत्थि एकभिक्खुस्सापि कङ्खा वा विमति वा बुद्धे वा धम्मे वा सङ्घे वा मग्गे वा पटिपदाय वा''ति. "पसादा खो त्वं, आनन्द, वदेसि, ञाणमेव हेत्थ, आनन्द, तथागतस्स नत्थि इमस्मिं भिक्खुसङ्घे एकभिक्खुस्सापि कङ्खा वा विमति वा बुद्धे वा धम्मे वा सङ्घे वा मग्गे वा पटिपदाय वा. इमेसञ्हि, आनन्द, पञ्चन्नं भिक्खुसतानं यो पच्छिमको भिक्खु, सो सोतापन्नो अविनिपातधम्मो नियतो सम्बोधिपरायणो"ति.
अथ खो भगवा भिक्खू आमन्तेसि — "हन्द दानि, भिक्खवे, आमन्तयामि वो, वयधम्मा सङ्खारा अप्पमादेन सम्पादेथा"ति. अयं तथागतस्स पच्छिमा वाचा.

वर्ग- ग

४. निम्नलिखित गाथा की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **१०x१=१०**

सुणन्तु भोन्तो मम एकवाचं, अम्हाक बुद्धो अहु खन्तिवादो.
न हि साधु यं उत्तमपुग्गलस्स, सरीरभागे सिया सम्पहारो.
सब्बेव भोन्तो सहिता समग्गा, सम्मोदमाना करोमट्ठभागे.
वित्थारिका होन्तु दिसासु थूपा,बहू जना चक्खुमतो पसन्ना'ति.

अथवा

अट्ठदोणं चक्खुमतो सरीरं, सत्तदोणं जम्बुदीपे महेन्ति.
एकञ्च दोणं पुरिसवरुत्तमस्स, रामगामे नागराजा महेति.
एकाहि दाठा तिदिवेहि पूजिता, एका पन गन्धारपुरे महीयति.
कालिङ्गरञ्ञो विजिते पुनेकं, एकं पन नागराजा महेति.

५. **निम्नलिखित *कथनों का पालि में अनुवाद करें:*** ०२x०५=१०

क . तब आनन्द ने भिक्षुओं को आमंत्रित किया .

ख . भगवान का अभिवादन कर एक ओर बैठ गया .

ग . ऐसा मैंने सुना . एक समय भगवान राजगृह में निवास कर रहे थे .

घ . बहुत लोगों के हित के लिए विचरण करो .

ङ. हे भिक्षुओं! सभी संस्कार अनित्य, दुःख, और अनात्म हैं .

वर्ग- घ

६. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या एक वाक्य में दीजिए।** **१x१०=१०**

क. राजा अजातशत्रु के शासनकाल में मगध का महामात्य कौन था ?

ख. गृध्नकूट पर्वत कहाँ है ?

ग. बौद्ध परम्परा में कौन से चार स्थान दर्शनीय हैं ?

घ. चक्रवर्ती राजा के किसी एक गुण को लिखें।

ङ. सुभद्द को प्रवर्जित किसने किया?

च. भगवान ने सारनाथ में किसको प्रथम उपदेश दिया ?

छ. किसने भगवान को *सूकर-मद्दव* खिलाया?

ज. किस स्थान पर सारिपुत्र नें भगवान के लिए सीहनाद किया ?

झ. पञ्चस्कन्धों के नाम लिखें।

ञ. महाकाश्यप नें किस स्थान पर भगवान बुद्ध के अंतिम दर्शन किये ?

****